कृपया प्रकाशनार्थ - **9 जनवरी 2013**

पूर्व रेल राज्य मंत्री श्री. राम नाईक की प्रतिक्रिया

किराया वृद्धी वापस लेकर संसद में बहस करें : राम नाईक

मुंबई, बुधवार : ''रेल किराये में जोरदार बढोत्तरी कर रेल मंत्री श्री. पवन बन्सल ने आम आदमी पर हमला बोल दिया है. यह किराया बढा कर उन्होने संसदीय परंपरा की अवमानना की है. रेल मंत्री श्री. बन्सल स्वयं पहले संसदीय मंत्री होते हुए भी उन्होंने यह गलत कदम उठाया है. रेल मंत्री किराया वृद्धी वापस लेकर अपना प्रस्ताव संसद के सामने रखें ऐसी भारतीय जनता पार्टी की माँग हैं,'' ऐसे शब्दों में पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री. राम नाईक ने रेल किराया वृद्धी पर आपत्ती जतायी.

श्री. नाईक ने आगे कहा, ''पहले ही आम आदमी रसौई गैस, डिजल, पेट्रोल के बढे दाम और उसी वजह से बढी महंगाई में पिसा जा रहा था. अब इस किराया वृद्धी से तो वह टूट ही जाएगा. इस किराया वृद्धी के लिए रेल मंत्री की कडी से कडी आलोचना करनी चाहिए. प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के युपीए सरकार के श्री. पवन बन्सल पांचवे रेल मंत्री है. जाहीर है, आये दिन बदलते मंत्री रेल प्रशासन पर काबू नही कर पा रहे हैं. आम आदमी की सुरक्षा यह तो सरकार का कर्तव्य है. इस प्राथमिक कर्तव्य को निभाने के लिए क्या किराया बढायेंगे ?'' ऐसा पूछ कर श्री. राम नाईक ने अन्त में कहा, ''सुरक्षा तथा सफाई के लिए किराया वृद्धी करना, तथा आनेवाले रेल बजट में वृद्धी न करने का आश्वासन देना, दोनों ही बाते बचकानी लगती है. यह कोई अचानक निकले खर्चे नहीं है''.

(कार्यालय मंत्री)